समीक्षा

2018 – 2019

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 9410796757/ 9456595121

E: info@umang-himalaya.com www.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया। दस वर्षों की यात्रा पूर्ण होने पर हमें यह समीक्षा प्रपत्र प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग ने इन** दस वर्षों में **पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाने का सफल प्रयास किया है।**

इस संगठन की यात्रा पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचाने में सहायक हुआ है।

अपने निर्धारित लक्ष्य के आधार पर उमंग इन वर्षों में अपने उत्पादक सदस्यों को पंद्रह हज़ार प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करा पाने के लिए कार्यरत है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

मुख्य अंश

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

वर्ष 2018–19 के दौरान ग्राहकों के बीच अपनी पहचान को और अधिक सदृढ़ करने व बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से क्रॉप कनेक्ट–ओरिजिनल इण्डियन टेबल के माध्यम से यंग शेफ़ एसोसिएशन व होटल के अन्य प्रतिनिधियों के समक्ष, उमंग की महिलाओं द्वारा दिल्ली में अपने क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों को बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही अन्दाज़ होटल, दिल्ली में स्ट्रॉबैरी जैम बना कर फल उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की गयी।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग की बाजारी व्यवस्था को बढ़ाने के लिए ''द बैटर इण्डिया'' वेब साइट पर उमंग के उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए साझेदारी के फलस्वरूप एक नये वेब पोर्टल की शुरूआत हुई जिससे उमंग को अच्छा लाभ कमाने का अवसर मिल सकता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग के द्वारा ''माउंटेन हाई'' के माध्यम से अपने उत्पादों की बल्क बिक्री के लिए कोशिश की गयी, जिससे काश्तकारों को अधिक लाभ मिल सके।

वर्ष 2018–19 के दौरान उमंग को अपने सामाजिक कार्यों के लिए 'होप कम्युनिकेशन्स' उत्तराखण्ड, की ओर से 'बेस्ट रूरल डिवेलपमेन्ट प्रोजेक्ट' (श्रेष्ठ ग्रामीण विकास योजना) पुरस्कार प्राप्त हुआ।

समीक्षा वर्ष के दौरान ग्रासरूट्स एवं माउंटेन पार्टनरशिप, एफ़0 ए0 ओ0, रोम, इटली के सांझे प्रयासों से जैविक सहभागी प्रमाणीकरण की प्रणाली पर एक बैठक आयोजित की गयी जिसमें 9 पर्वतीय देशों के नुमाइन्दों ने भाग लिया। इस बैठक में पी0 जी0 एस0 उत्पादों को बढ़ावा देने, उचित मूल्य पर इन उत्पादों की बिक्री तथा अलग अलग देशों के पर्वतीय क्षेत्रों में उगाये जाने वाले उत्पादों को एक जगह मिला कर बेचने की बात की गयी जिसमें उमंग के पी0 जी0 एस0 उत्पाद भी शामिल किये गये। इस अवसर पर उमंग ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष अपने पी0 जी0 एस0 जैविक उत्पादक समूहों व अपने काश्तकारों के अनुभव एवं विचार सांझा किये।

समीक्षा वर्ष के दौरान यू0 एन0 वूमन द्वारा, दिल्ली Leveraging Agriculture for Nutrition in South Asia (LANSA), **''लीवरेजिंग एग्रीकल्चर फॉर न्यूट्रिशन इन साउथ एशिया'' के सहयोग से महिला किसानों के अधिकारों को मान्यता देने के संबंध में एक गोल मेज सभा बैंकॉक, थाइलैण्ड में आयोजित की गयी जिसमें उमंग प्रतिनिधि को लैंगिक समानता और महिला अधिकार विषय पर महिला उद्यमियों के विचार एवं अनुभव प्रस्तुत करने का विशेष अवसर मिला। संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष ने इन प्रयासों की सराहना की व वैश्विक संगठनों को संबोधित करते हुए उमंग के प्रयासों का उदाहरण दिया।**

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, दिल्ली में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास करने की बात की गयी।

वूमेन ऑन विंग्स संस्था, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन कर उनके सशक्तीकरण के लिए काम करती है। उमंग ने इस संस्था के साथ दिसंबर 2016 से तीन वर्षों के लिए सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया है, जिसके अंतर्गत समीक्षा वर्ष के अंत तक क्षमता वृद्धि व बुनाई उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु 6 कार्यशालाएं हो चुकी हैं।

संक्षिप्त रूप से समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **77** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **18** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक संचित रूप से **110** अंशधारक स्वयं सहायता समूहों के **902** सदस्य कार्यरत हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल 168 समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल 2,380 (दो हज़ार तीन सौ अस्सी) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ₹ 1,22,72,552 (एक करोड़ बाइस लाख बहत्तर हजार पांच सौ बावन) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 27,70,220 (सत्ताईस लाख सत्तर हज़ार दो सौ बीस) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 7,590** (सात हज़ार पांच सौ नब्बे) **की बचत है।** जिस पर समूहों को ₹ 3,32,832 (तीन लाख बत्तीस हज़ार आठ सौ बत्तीस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 477 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ 85,74,882 (पच्चासी लाख चौहत्तर हज़ार आठ सौ बयासी) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ 5,59,581 (पांच लाख उन्सठ हज़ार पांच सौ इक्यासी) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

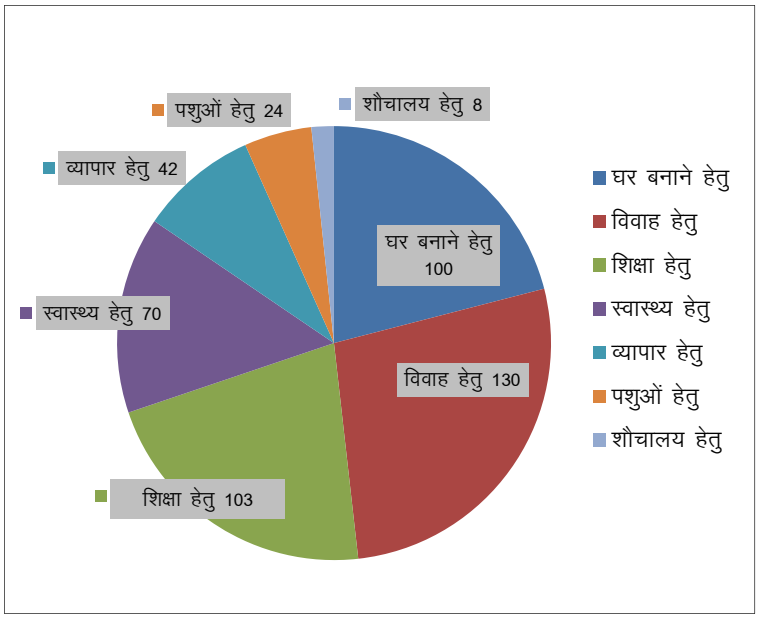

बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 107 (64 %) स्वयं सहायता समूहों के 775 (33 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	सदस्यों को कुल बोनस ₹	सदस्यों की कुल आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹				
1	बुनाई	490	6,412 पीस	32,22,449	12,44,407	1,35,000	13,79,407	2,815
2	फल संरक्षण	139	11,010 कि0	27,70,651	3,15,110	73,000	3,88,110	2,792
3	हिमखाद्य	416	22,077 कि0	36,20,903	20,57,332	92,000	21,49,332	5,167
4	शहद	6	4,722 कि0	13,76,609	6,77,196	–	6,77,196	1,12,866
	कुल			**1,09,90,612**	**42,94,045**	**3,00,000**	**45,94,045**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2018–19 के दौरान कुल 878 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में व 19 प्रतिशत प्रतिभागी 165 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	64,70,152	56,14,758	39
2	फल संरक्षण	35,97,888	30,37,366	21
3	हिमखाद्य	41,51,848	38,57,079	27
4	शहद	21,80,531	19,24,453	13
	कुल	**1,64,00,419**	**1,44,33,655**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 9 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,44,33,655 (एक करोड़ चवालीस लाख तैंतीस हज़ार छः सौ पचपन) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 4,58,927 (चार लाख अट्ठावन हज़ार नौ सौ सत्ताइस) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	37,01,595	33,79,387	24
2	हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली	4,51,697	4,42,799	3
3	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	7,35,561	7,30,002	5
4	फैब इंडिया	8,78,325	8,78,325	6
5	प्रदर्शनियां	16,24,591	16,13,787	11
6	जयपोर ऑनलाइन वेब पोर्टल	10,97,670	7,38,369	5
7	ई–कामर्स द्वारा ऑनलाइन सेल	2,21,893	2,05,965	1
8	स्वयं सहायता समूह	1,54,786	1,54,786	1
9	अन्य रिटेल के माध्यम	75,34,301	62,90,235	44
	कुल	**1,64,00,419**	**1,44,33,655**	**100**

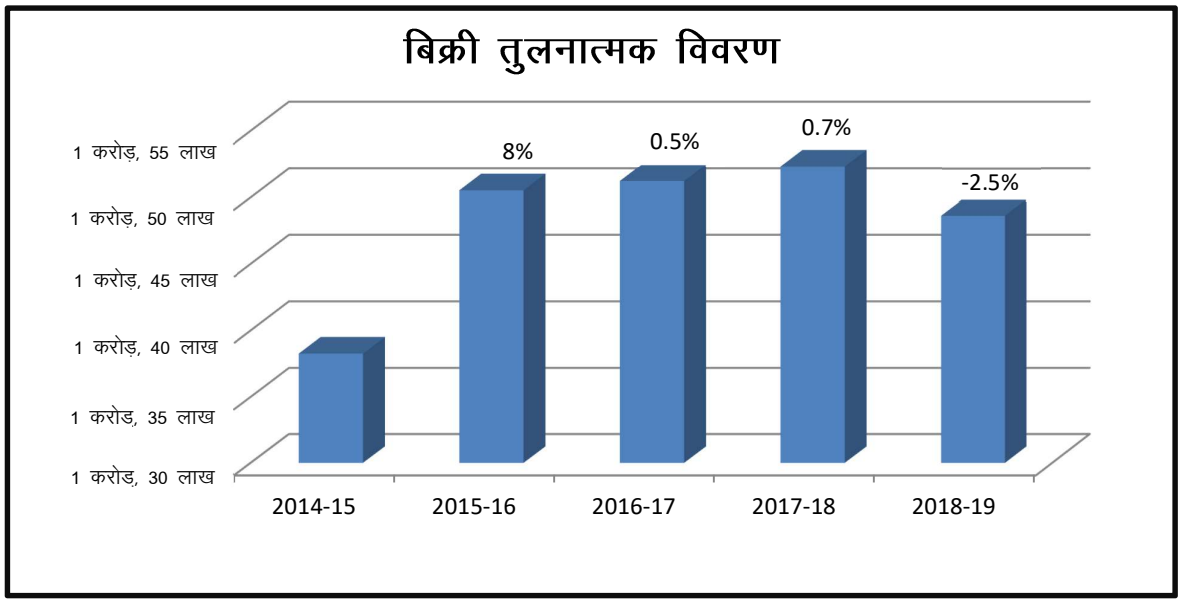

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **65** महिला स्वयं सहायता समूहों की **490** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 11,65,260 (ग्यारह लाख पैंसठ हज़ार दो सौ साठ)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने अपने समूहों के उत्पादन के आधार पर **₹ 79,147 (उन्नासी हज़ार एक सौ सैंतालीस)** की आय अर्जित की, साथ ही वित्तीय वर्ष में **₹ 1,35,000 (एक लाख पैंतीस हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **12 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **25 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

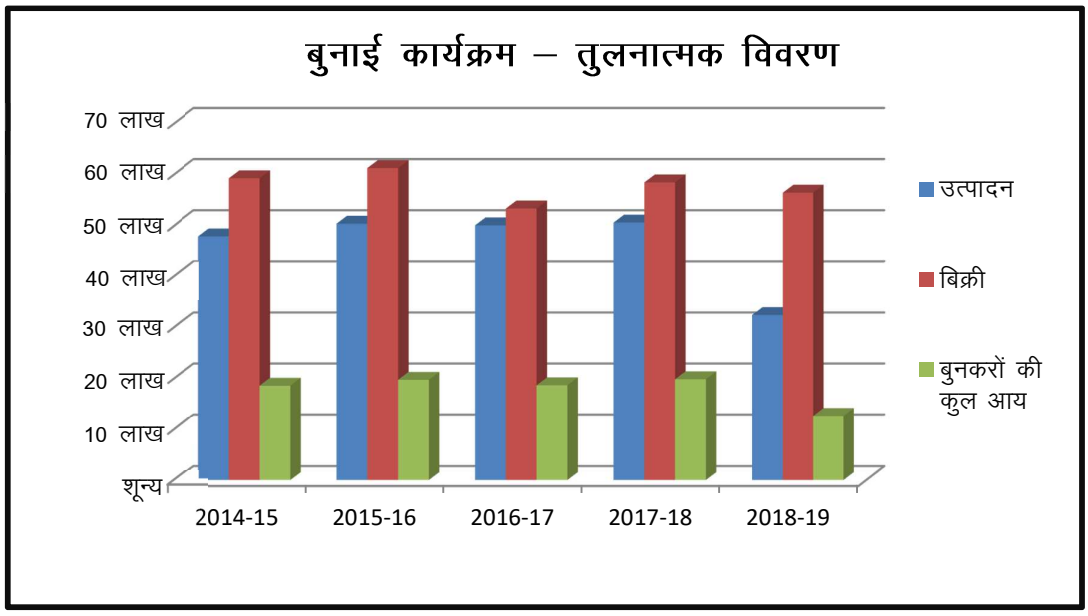

वर्ष 2017–18 के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना के माध्यम से 8 बुनकरों को प्रशिक्षण देकर उनके साथ कुछ नये उत्पादों को बनाने की शुरूआत की गयी थी। इसके अंतर्गत वर्ष 2018–19 में कुल 468 पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य ₹ **1,45,212 (एक लाख पैंतालीस हज़ार दो सौ बारह)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने ₹ **55,554 (पचपन हज़ार पांच सौ चौवन)** की आय अर्जित की। इन उत्पादों की कुल बिक्री ₹ **1,37,660 (एक लाख सैंतीस हज़ार छः सौ साठ)** हुई।

बुनाई कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	80	6	1,178	3,04,605	24,604	35,378	3,64,587
2	कुजगढ़	6	94	8	1,962	2,72,760	22,542	31,638	3,26,940
3	दुसाद	6	112	18	698	1,82,370	–	21,146	2,03,516
4	सोमेश्वर	6	65	7	465	1,43,760	11,831	16,465	1,72,056
5	कनाड़ी	8	44	12	632	87,120	6,859	10,118	1,04,097
6	कोसी	3	52	3	630	83,350	6,719	9,681	99,750
7	पनाई	2	29	7	718	79,225	5,737	9,172	94,134
8	माल्यागाड़	1	14	4	129	12,070	855	1,402	14,327
	कुल	**36**	**490**	**65**	**6,412**	**11,65,260**	**79,147**	**1,35,000**	**13,79,407**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर								
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
	प्रथम	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	60,615	7,040	67,655	11	6,150
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	सृष्टि समूह (चिलियानौला)	गगास अन्य	1,10,450	12,828	1,23,278	21	5,870
	तृतीय	जन्नत समूह (चौबटिया)	कुजगढ	18,690	2,171	20,861	4	5,215
	प्रथम	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	57,985	6,706	64,691	10	6,469
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	नवदीप समूह (सैनरी)	कनाड़ी	13,980	1,624	15,604	3	5,201
	तृतीय	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	46,830	5,439	52,269	12	4,356

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – शहरी क्षेत्र								
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	45	14,830	1,722	16,552
द्वितीय	बसन्ती पवार	438	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	94	11,510	1,337	12,847
तृतीय	मंजू तिवारी	476	जीवन ज्योति (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	36	11,245	1,306	12,551
चतुर्थ	शबनम ख़ान	785	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	31	10,870	1,262	12,132
पंचम्	आशा थापा	48	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	कोसी	102	10,860	1,261	12,121
प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – ग्रामीण क्षेत्र								
प्रथम	सुनीता अधिकारी	2966	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	88	8,445	981	9,426
द्वितीय	तारा बिष्ट	2865	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	90	8,265	960	9,225
तृतीय	नीमा बिष्ट	1668	जागरूक समूह (कोट्यूड़ा)	कनाड़ी	65	8,260	959	9,219
चतुर्थ	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	38	7,900	918	8,818
पंचम्	दीपा गोस्वामी	2344	हरियाली समूह (कालिका)	दुसाद	85	7,865	913	8,778

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष 2018–19 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 490 महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **29** महिला स्वयं सहायता समूहों के **139** किसान परिवारों से ₹ **3,15,110 (तीन लाख पन्द्रह हज़ार एक सौ दस)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ₹ **73,000 (तेहत्तर हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **23 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **13** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

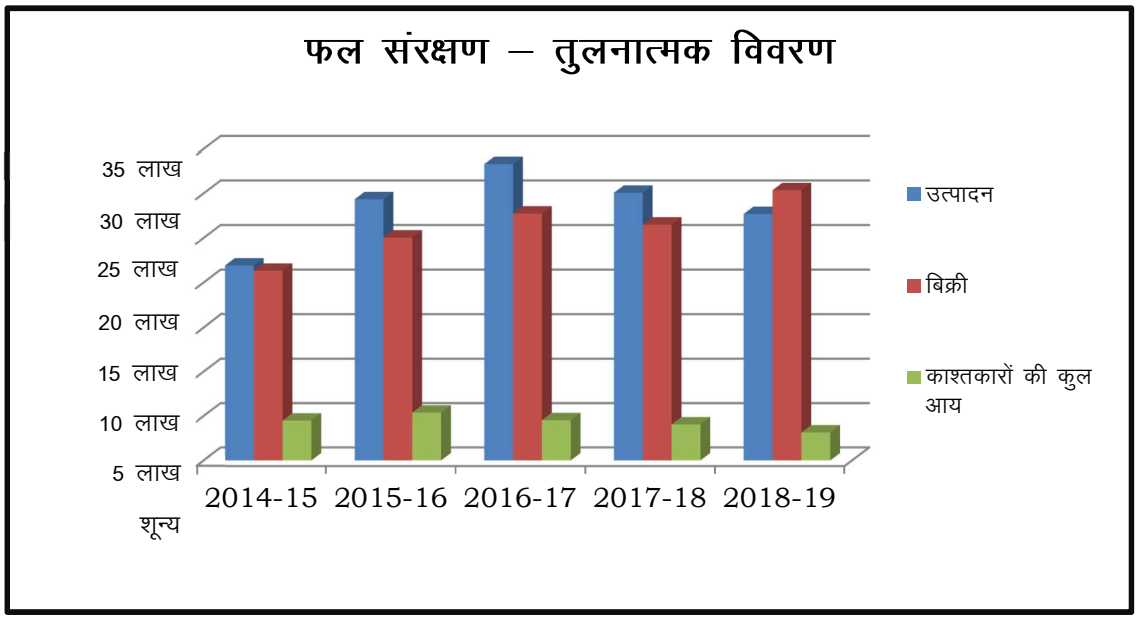

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	3	6	46	38	3868	1,34,964	33,462	1,68,426
2	कोसी	5	4	31	27	1,554	42,356	10,186	52,542
3	पनाई	3	7	37	33	1954	33,827	8,463	42,290
4	अन्य	2	–	2	–	579	16,253	–	16,253
5	दुसाद	3	4	5	5	915	13,301	3,443	16,744
6	माल्यागाड़	3	5	10	10	1,035	12,966	3,357	16,323
7	गगास अन्य	1	3	3	3	197	2,423	627	3,050
कुल (उत्तराखण्ड)		**20**	**29**	**134**	**116**	**10,102**	**2,56,90**	**59,538**	**85,228**
8	हिमाचल	3	0	5	4	908	59,020	13,462	**72,482**
कुल		**23**	**29**	**139**	**120**	**11,010**	**3,15,110**	**73,000**	**3,88,110**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	65,891	16,959	82,850	14	5,918
द्वितीय	ज्योति समूह (कूल)	कोसी	32,170	8,328	40,498	10	4,050
तृतीय	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	हैडवाटर्स	29,390	7,445	36,835	13	2,833

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य								
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवार्टर्स	तुलसी राणा	2350	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	293	19,128	4,952	24,080
2	दुसाद	शोभा जोशी	1443	जय देवी माँ समूह (स्यालसुना)	661	10,142	2,626	12,768
3	कोसी	नन्दी देवी	2631	ज्योती समूह (कूल)	242	7,220	1,869	9,089
4	पनाई	बचुली देवी	306	(नैनी)	213	6,390	1,654	8,044
5	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	256	3,272	847	4,119
6	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	35	1,050	272	1,322

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2018–19 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले 139 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	प्लम्	1,787	51,843	16 %
2	आम	1,756	21,066	16 %
3	लहसुन	1,597	63,881	15 %
4	खुमानी	1,426	42,771	13 %
5	माल्टा	1,406	20,787	13 %
6	स्ट्रॉबैरी	908	59,020	8 %
7	नासपाती	363	1,089	3 %
8	बड़ा नींबू	314	2,508	3 %
9	अमरुद	286	6,281	3 %
10	काग़ज़ी नींबू	254	10,164	2 %
11	कीवी	227	20,430	2 %
12	टमाटर	216	3,240	2 %
13	सेब	207	5,175	2 %
14	हरी मिर्च	174	5,232	2 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **72** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **416** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ₹ **20,57,332 (बीस लाख सत्तावन हज़ार तीन सौ बत्तीस)** की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ₹ **92,000(बयानबे हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **4 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **56** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

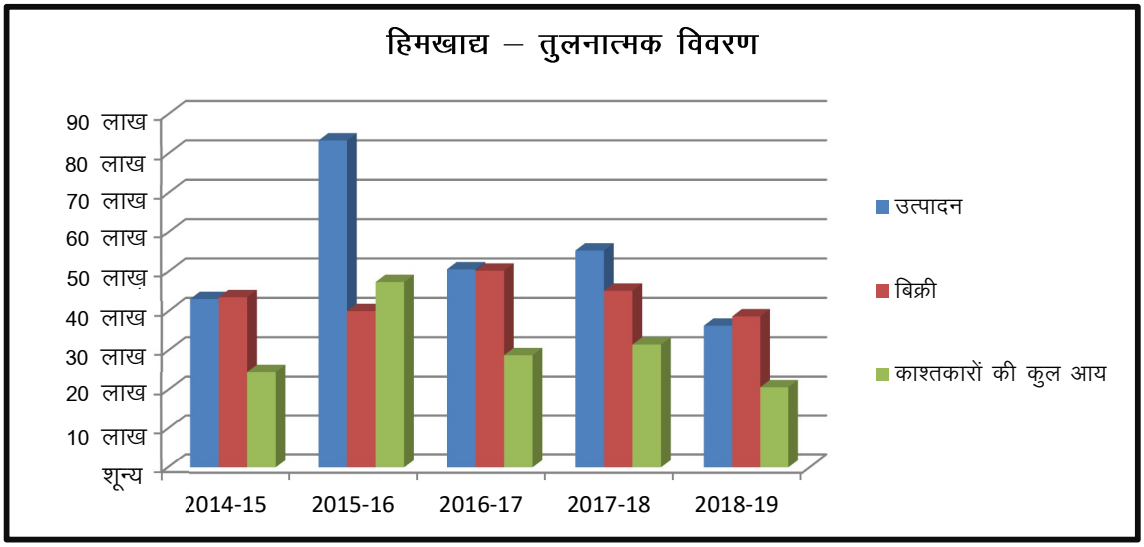

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	दुसाद	9	24	155	115	7,698	5,17,013	34,194	5,51,207
2	अन्य	9	–	16	–	4,134	2,92,650	–	2,92,650
3	कोसी	5	3	44	34	2,007	1,51,547	9,119	1,60,666
4	हैडवाटर्स	5	9	34	31	1,033	68,636	4,841	73,477
5	माल्यागाड़	7	11	56	43	646	51,165	3,498	54,663
6	कनाड़ी	10	12	62	40	990	48,980	2,826	51,806
7	रिसकन	2	1	6	6	61	5,068	374	5,442
8	कुजगढ़	1	1	2	1	42	4,200	112	4,312
9	गगास अ.	1	3	3	3	236	3,540	261	3,801
10	पनाई	2	5	11	9	47	2,297	125	2,422
कुल (उत्तराखण्ड)		**51**	**69**	**389**	**282**	**16,894**	**11,45,096**	**55,350**	**12,00446**
11	हिमाचल	15	3	27	15	5,183	9,12,236	36,650	9,48,886
कुल		**66**	**72**	**416**	**297**	**22,077**	**20,57,332**	**92,000**	**21,49,332**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	जय भूमिया समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	91,217	6,738	97,955	13	7,535
द्वितीय	महिला शक्ति समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	74,819	5,432	80,251	13	6,173
तृतीय	महिला साहस समूह (बरगला)	दुसाद	30,786	1,892	32,678	6	5,446

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से								
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	गीता रावत	2799	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	218	22,975	1,697	24,672
2	दुसाद	आशा सती	1565	नवनीत समूह (तल्ला सतीनौगाँव)	242	17,426	1,287	18,713
3	कोसी	पूजा बधानी	402	(खलाड़)	290	15,613	1,153	16,766
4	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	167	10,331	763	11,094
5	माल्यागाड़	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	12	5,625	389	6,014
6	रिसकन	बीना देवी	2941	(वलना)	42	3,570	264	3,834
7	गगास अन्य	सरस्वती देवी	2766	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	175	2,625	194	2,819
8	पनाई	तारा देवी	2346	जय मां भगवती (कालिका)	11	642	47	689

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	चुड़ेश्वर समूह	3,74,620	24,681	3,99,301	9	44,367
द्वितीय	सेन्धार समूह	1,21,683	8,989	1,30,672	5	26,134

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल							
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	नितिका देवी	3053	चुड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	312	56,160	4,148	60,308
द्वितीय	सविता देवी	3054	चुड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	278	50,040	3,696	53,736
तृतीय	विद्या देवी	3055	चुड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	262	47,160	3,484	50,644

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2018–19 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले 416 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	उत्पाद ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	चौलाई	5,660	2,57,106	34 %
2	काला भट्ट	5,300	2,81,287	32 %
3	अखरोट	5,105	9,09,896	31 %
4	श्राजमा	1,636	1,93,558	10 %
5	सोयाबीन	906	25,825	6 %
6	हल्दी	876	86,073	5 %
7	मडुवा	620	8,984	4 %
8	कैमोमाइल	395	1,77,749	2 %
9	तिल	328	32,800	2 %
10	झुंगरा	270	4,051	2 %
11	लाल मिर्च	225	28,330	1 %
12	गहत	181	19,881	1 %
13	धान	180	2,325	1 %
14	मूंग दाल	108	8,600	1 %
15	मक्का आटा	78	2,340	0.5 %
16	अनार	65	1,560	0.4 %
17	धनिया	50	7,470	0.3 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2012–13	45	327	773	3,86,463	7,82,973
1	2013–14	40	377	842	4,21,017	4,95,010
2	2014–15	29	213	547	1,90,388	7,75,323
3	2015–16	24	156	122	30,373	4,30,443
4	2016–17	17	109	165	57,328	3,95,789
5	2017–18	24	178	299	1,19,119	5,51,380
6	2018–19	19	150	395	1,77,749	3,43,033

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

क्र.सं.	गधेरा	गाँव	स्वयं सहायता समूह	काश्तकार	भूमि (एकड़)
1	दुसाद	15	44	506	353
2	हैडवाटर्स	4	9	144	88
3	कनाड़ी	12	16	188	82
4	कोसी	1	2	34	11
5	माल्यागाड	7	18	204	70
6	पनाई	1	1	18	4
कुल		**40**	**90**	**1,094**	**608**

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ₹ **6,77,196 (छः लाख, सतहत्तर हज़ार, एक सौ छियानबे)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **35** प्रतिशत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ₹ **19,24,453 (उन्नीस लाख चौबीस हज़ार चार सौ त्रेपन)** हुई।

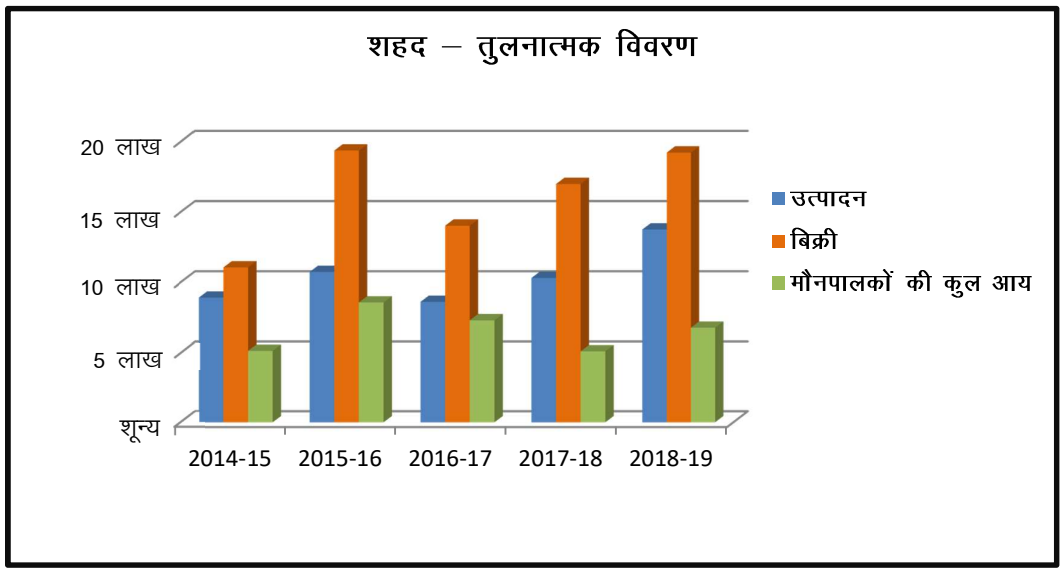

6. बांस कला कार्यक्रम : उमंग की 4 व्यावसायिक इकाईयों के अलावा वर्ष **2015–16** में लोगों की आजीविका बढ़ाने हेतु ग्रासरूट्स की सहायता से बांस उत्पादन को बढ़ावा देते हुए बांस से बने उत्पादों को बाजार में उतारने के प्रयास किये गय थे, जिसकी पहचान उमंग की पांचवी व्यावसायिक इकाई के रूप में करवाई गयी। बांस के उत्पादों की कुल नैट बिक्री ₹ **40,060** हुई।

7. घरेलू पर्यटन :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले नौ वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **19 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने ₹ **2,50,000 (दो लाख पचास हजार)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

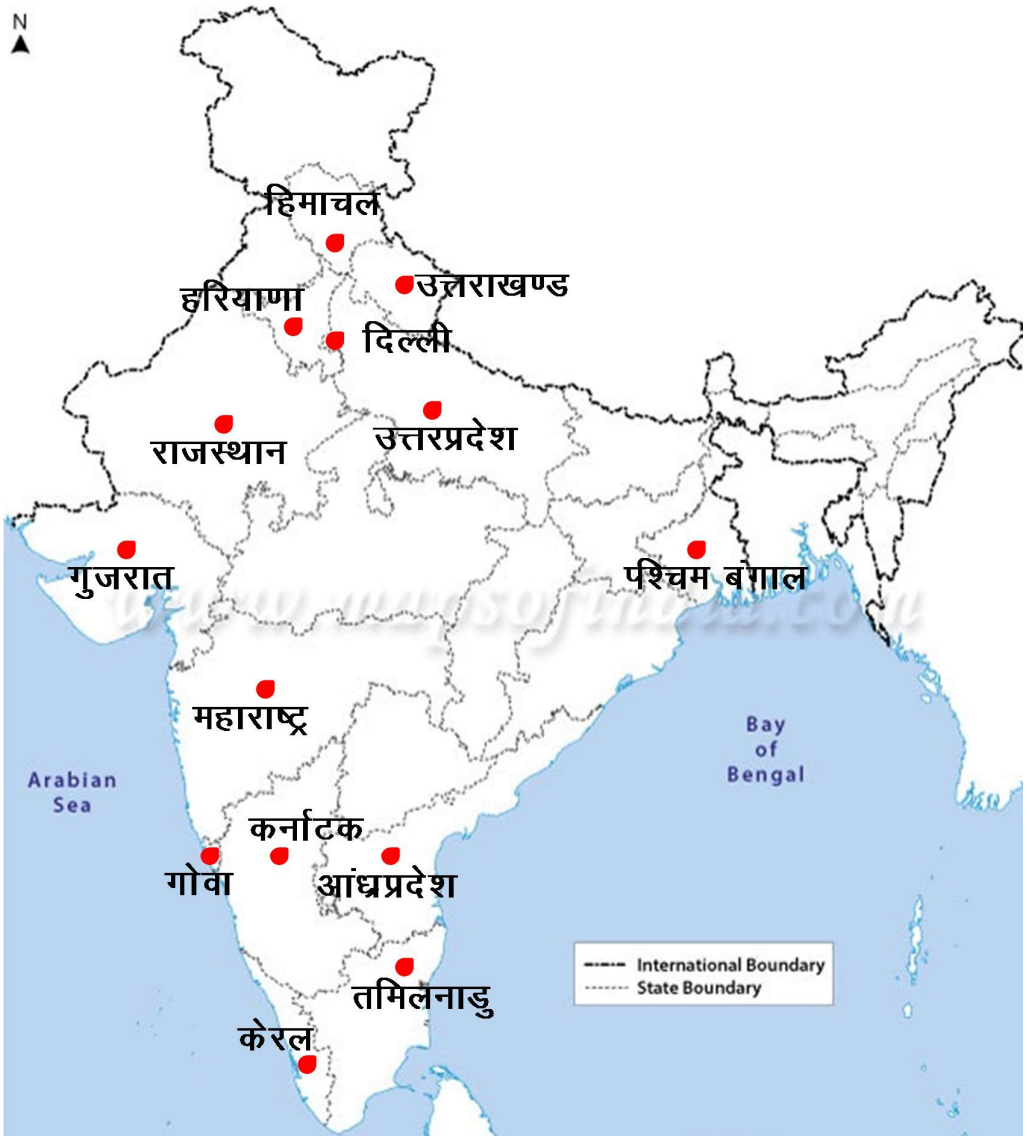

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच. जी.	प्रतिभागी एस.एच. जी सदस्य	अंश धारक एस.एच. जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	10	197	28	177	27	156	155	5	112	—	74
2	गगास अन्य	4	81	7	81	7	81	3	3	80	—	4
3	हैडवाटर्स	5	62	10	55	10	52	34	46	—	—	18
4	कनाड़ी	12	86	15	82	14	64	62	—	44	—	20
5	कोसी	7	109	6	93	6	95	44	31	52	—	17
6	कुजगढ़	6	95	8	94	8	93	2	—	94	—	1
7	माल्यागाड़	8	65	13	54	13	53	56	10	14	—	12
8	अन्य	14	24	1	1	1	2	16	2	—	6	—
9	पनाई	3	56	8	53	8	50	11	37	29	—	19
10	रिसकन	2	6	1	5	1	6	6	—	—	—	—
11	सोमेश्वर	6	65	7	65	7	62	—	—	65	—	—
कुल (उत्तराखण्ड)		**77**	**846**	**104**	**760**	**102**	**714**	**389**	**134**	**490**	**6**	**165**
12	हिमाचल	18	32	3	15	3	19	27	5	—	—	—
कुल		**95**	**878**	**107**	**775**	**105**	**733**	**416**	**139**	**490**	**6**	**165**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस	फल उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों का बोनस	बुनकरों की आय	बुनकरों का बोनस	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय	कुल यौगिक बोनस	कुल यौगिक आय + बोनस
1	हिमाचल	9,12,236	36,650	59,020	13,462	—	—	—	—	9,71,256	50,112	10,21,368
2	अन्य	2,92,650	—	16,253	—	—	—	—	6,77,196	9,86,099	—	9,86,099
3	दुसाद	5,17,013	34,194	13,301	3,443	1,82,370	21,146	—	—	7,12,684	58,783	7,71,467
4	कुजगढ़	4,200	112			2,72,760	31,638	22,542	—	2,99,502	31,350	3,31,252
5	गगास अन्य	3,540	261	2,423	627	3,04,605	35,378	24,604	—	3,35,172	36,266	3,71,438
6	कोसी	1,51,547	9,119	42,356	10,186	83,350	9,681	6,719	—	2,83,972	28,986	3,12,958
7	सोमेश्वर	—	—	—	—	1,43,760	16,465	11,831	—	1,55,591	16,465	1,72,056
8	कनाड़ी	48,980	2,826	—	—	87,120	10,118	6,859	—	1,42,959	12,944	1,55,903
9	पनाई	2,297	125	33,827	8,463	79,225	9,172	5,737	—	1,21,086	17,760	1,38,846
10	हैडवाटर्स	68,636	4,841	1,34,964	33,462	—	—	—	—	2,03,600	38,303	2,41,903
11	माल्यागाड़	51,165	3,498	12,966	3,357	12,070	1,402	855	—	77,056	8,257	85,313
12	रिसकन	5,068	374	—	—	—	—	—	—	5,068	374	5,442
कुल अर्जित राशि		**20,57,332**	**92,000**	**3,15,110**	**73,000**	**11,65,260**	**1,35,000**	**79,147**	**6,77,196**	**42,94,045**	**3,00,000**	**45,94,045**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 32 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

समीक्षा वर्ष के अंतर्गत कुल 8 लोगों ने तीनों आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, व हिमखाद्य में अपना योगदान दिया।

कुल यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्य (तीन आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, हिमखाद्य से जुड़े)

क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पादों से कुल आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	15,203	1,500	**16,703**
द्वितीय	मंजू देवी	2986	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	मालयागाड़	7,219	948	**8,167**
तृतीय	अनीता देवी	56	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	कोसी	5,200	992	**6,192**

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **19** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ₹ **22,35,984 (बाईस लाख पैंतीस हज़ार नौ सौ चौरासी)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **14** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **1,988 (एक हज़ार नौ सौ अट्ठासी)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ₹ **3,49,956 (तीन लाख उन्चास हज़ार नौ सौ छप्पन)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 878 (आठ सौ अट्हत्तर) परिवारों ने ₹ 74,29,985 (नब्बे लाख पच्चानबे हज़ार एक सौ उन्सठ) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 8,462) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

उमंग की विगत् दस वर्षों की उपलब्धियां

- विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा उत्तराखण्ड में 100 से अधिक गाँवों में 212 स्वयं सहायता समूहों व हिमाचल के 40 गाँवों में 5 अखरोट उत्पादक समूहों का गठन कर लगभग 3100 लोगों को बचत व 146 स्वयं सहायता समूहों के 1,464 लोगों को आजीविका कार्यक्रमों में जोड़ा गया। उत्तराखण्ड के इन समूहों ने संचित रूप से इन वर्षों में लगभग 2,00,00,000 (दो करोड़) रूपया बचत की है, इस धनराशि से 4,727 महिलाओं ने 6,09,58,672 (छः करोड़ नौ लाख अट्ठावन हजार छः सौ बहत्तर) का ऋण ले कर अपनी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा किया।

  पिछले सात वर्षों में समूहों से लिए गए ऋण उपयोग का विवरण –

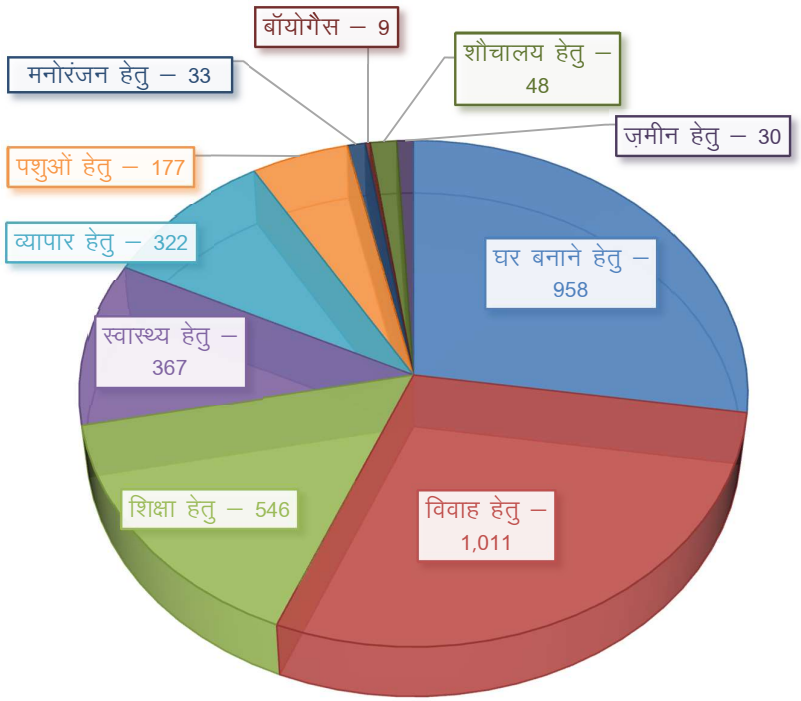

- **बुनाई व्यवसाय** – विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा उत्तराखण्ड के 11 गधेरों के 46 गाँवों के 89 स्वयं सहायता समूहों की कुल 824 महिलाओं की क्षमता वृद्धि कर उन्हें हाथ से बुने उत्पादों का व्यवसाय उपलब्ध करवाया जिसमें अब तक लगभग 600 महिलाओं ने निरंतरित रूप से जुड़ कर रू0 1,76,08,611 (एक करोड़ छिहत्तर लाख आठ हज़ार छः सौ ग्यारह) की आय अर्जित की गयी। बुनाई व्यवसाय से जुड़कर बुनकर महिलाओं में आत्मविश्वास व स्वावलम्बन की भावना का विकास हुआ है। साथ ही उन्हें आजीविका के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। उमंग द्वारा इन वर्षों में कुल रू0 5,18,68,832 (पांच करोड़ अट्ठारह लाख अड़सठ हज़ार आठ सौ बत्तीस) के बुनाई उत्पाद विक्रय किये गए।

- **फल संरक्षण व्यवसाय** – विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा उत्तराखण्ड के 11 गधेरों के 44 गाँवों के 43 स्वयं सहायता समूहों की लगभग 217 महिलाओं से 1,53,122 (एक लाख त्रेपन हज़ार एक सौ बाईस) किलो जैविक फल खरीद कर उन से बने उत्पादों का व्यवसाय उपलब्ध करवाया गया जिसके द्वारा फल काश्तकारों ने संचित रूप से रू0 40,69,677 (चालीस लाख उन्हत्तर हज़ार छः सौ सत्हत्तर) की आय अर्जित की। उमंग द्वारा इन वर्षों में कुल रू0 2,30,44,209 (दो करोड़ तीस लाख चौवालीस हज़ार दो सौ नौ) के फल से बने उत्पाद व जैविक फलों की बिक्री की गयी।

- **हिमखाद्य व्यवसाय** – विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा उत्तराखण्ड के 15 गधेरों के 118 गाँवों के 121 स्वयं सहायता समूहों की लगभग 700 महिला काश्तकारों से 2,53,733 (दो लाख त्रेपन हज़ार सात सौ तेंतीस) किलो अनाज खरीदा गया जिसके द्वारा इन काश्तकारों ने संचित रूप से रू0 2,26,89,332 (दो करोड़ छब्बीस लाख नवासी हज़ार तीन सौ बत्तीस) की आय अर्जित की। उमंग द्वारा इन वर्षों में कुल रू0 3,39,92,046 (तीन करोड़ उन्चालीस लाख बयानबे हज़ार छियालीस) के हिमखाद्य उत्पादों बिक्री की गयी। इस के माध्यम से उत्तराखण्ड के पर्वतीय भागों की पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देकर बाजारी व्यवस्था में उतारा गया जिससे यहां रहने वाले लोगों को अपनी पारंपरिक फसलों का महत्व समझ में आया है व लुप्त हो रही फसलों को दोबारा उगााने का उत्साह जन्मा है।

- **शहद व्यवसाय** – विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा उत्तराखण्ड के 5 गाँवों के 27 मधु पालकों से 45,900 (पैंतीस हज़ार नौ सौ) किलो शहद खरीदा गया जिसके द्वारा इन लोगों ने रू0 56,35,721 (छप्पन लाख पैंतीस हज़ार सात सौ इक्कीस) की आय अर्जित की, उमंग द्वारा इन वर्षों में कुल रू0 1,31,37,713 (एक करोड़ इकत्तीस लाख सैंतीस हज़ार सात सौ तेरह) का शहद विक्रय किया गया।

- विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा 4 गाँवों के 19 परिवारों को घरेलू पर्यटन द्वारा लगभग रू. 21,54,500 (इक्कीस लाख चौवन हज़ार पांच सौ) की आय उप्लब्ध करवायी गयी।

- पिछले तीन वर्षों में आजीविका बढ़ाने के क्षेत्र में उमंग द्वारा ग्रासरूट्स संस्था के सहयोग से द्वारसों गाँव में बांस का पौधारोपण करके व बांस बुनने का प्रशिक्षण दे कर बांस से बने उत्पादों का व्यवसाय उप्लब्ध करवाया गया जिसके अंतर्गत बांस बुनकरों ने 473 पीस बुनकर रू0 1,33,680 (एक लाख तेंतीस हज़ार छः सौ अस्सी) की आय अर्जित की। संचित रूप से वर्ष 2018–19 के अन्त तक इन उत्पादों की कुल बिक्री रू0 2,79,872 (दो लाख उनासी हज़ार आठ सौ बहत्तर) की हो चुकी है।

- विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को 28,056 (अट्ठाईस हज़ार छप्पन) मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ₹ 37,86,791 (सैंतास लाख छियासी हज़ार सात सौ इक्यानबे) की आय अर्जित की।

- विगत् दस वर्षों में मोमबत्ती उद्योग के तहत उमंग द्वारा महिलाओं के हाथ से बनायी गयी रू0 49,533 (उन्चास हज़ार पांच सौ तेंतीस) की मोमबत्तियों का विक्रय किया गया।

- विगत् दस वर्षों में उमंग द्वारा 63 गाँवों के 1,542 परिवारों में 15,158 (पंद्रह हज़ार एक सौ अट्ठावन) मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया। जिससे लोगों को आजीविका व पारिवारिक पोषण को बढ़ाने का एक विकल्प मिला।

- इन दस वर्षों में उमंग ने संचित रूप से रू0 12,20,42,691 (बारह करोड़ बीस लाख बयालीस हज़ार छः सौ इक्यानबे) की बिक्री की जिस पर रू0 30,01,668 (तीस लाख एक हज़ार छः सौ अड़सठ) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

- विगत् दस वर्षों में उमंग के सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **19** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा रू0 1,39,12,134 (एक करोड़ उन्चालीस लाख बारह हज़ार एक सौ चौंतीस) की आय अर्जित की गयी

- संचित रूप से विगत् दस वर्षों में महिला उमंग कम्पनी उद्यमता के विकास में उत्तराखण्ड के 1,420 परिवारों को रू0 **6,99,44,944 (छः करोड़ निन्यानबे लाख चौवालीस हज़ार नौ सौ चौवालीस)** की आजीविका उप्लब्ध कराने में सफल हो पायी।

हमारी जुबानी

सुनीता कश्यप उमंग की रचना में सहयोगी सदस्य रही है उनके कहने के अनुसार ''इरादे नेक होकर ही सपने साकार होते हैं अगर लगन सच्ची हो तो रास्ते आसान होते हैं जहां एकल महिलाएं अपने बच्चों को तीन समय का खाना खिलाने के लिए पत्थर ढोने का काम करती थी, जहां घर से बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी, काश्तकार महिलाओं के पास कोई बाज़ार नहीं था, ऐसी स्थिति में उमंग ने एक सपना देखा ..... हम उत्तराखण्ड की महिलाएं एक संगठन बनाएंगे, दुनिया में अपने कार्यों की एक पहचान करवाएंगे और अपने बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाएंगे।

शुरू में हमने छोटे सामान मोजा, टोपी, बुन कर व थोड़े से आम अचार के साथ अपना व्यवसाय आरंभ किया जो कि अब दस वर्षों के पश्चात 160 लाख वार्षिक के वयापार में बदल चुका है और हम 11 से 2500 महिलाएं हो गयी हैं। जहां गांव में 500 रू भी मुश्किल से जुड़ पाता था और किसी समस्या के आने पर महिलाओं को अपना जेवर गिरवी रखना पड़ता था अब स्वयं सहायता समूहों के गठन के पश्चात महिला समूहों का अपना बैंक है जिसके कोष में एक करोड़ से अधिक रूपया जमा हो चुका है जिससे महिलाएं एक लाख तक का ऋण लेकर अपनी विभिन्न समस्याओं जैसे घरेलू कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य की पूर्ति करती हैं व अपने बच्चों के रोजगार तक स्थापित कर रही हैं। संगठित होकर महिलाओं में आत्मविश्वास व स्वावलम्बन की भावना का विकास हुआ है। साथ ही उन्हें आजीविका के अवसर भी प्राप्त हुए हैं।

उभ्याड़ी गांव से 'शोभा देवी का कहना है ... ''उमंग से हमें समूहों में संगठित होकर कार्य करने की प्रेरणा मिली, छोटी छोटी मासिक बचत कर उमंग द्वारा गांव की महिलाओं को रोजगार व अपनी कमाई द्वारा अपने खर्चे करने का मौका मिला। उमंग एक ओजस्वी प्रकाश की किरण है जिसके प्रकाश से महिलाएं उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं। उमंग के द्वारा चलाये गये गधेरा बचाओ अभियान कार्यक्रम द्वारा हजारों महिलाओं को एकजुट होने का मौका मिला है व अलग अलग राज्यों व देशों के लोगों से मिलने का मौका मिला। उमंग से हमें आगे बढ़ने की शक्ति मिली है।''

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड
अध्यक्ष

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती धनुली देवी,
मल्ला सती नौगांव, दुसाद

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती भावना बुधोड़ी
टनोला, कनाड़ी सुरना,

श्रीमती ईश्वरी रावत
हैडवाटर्स

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।